1.

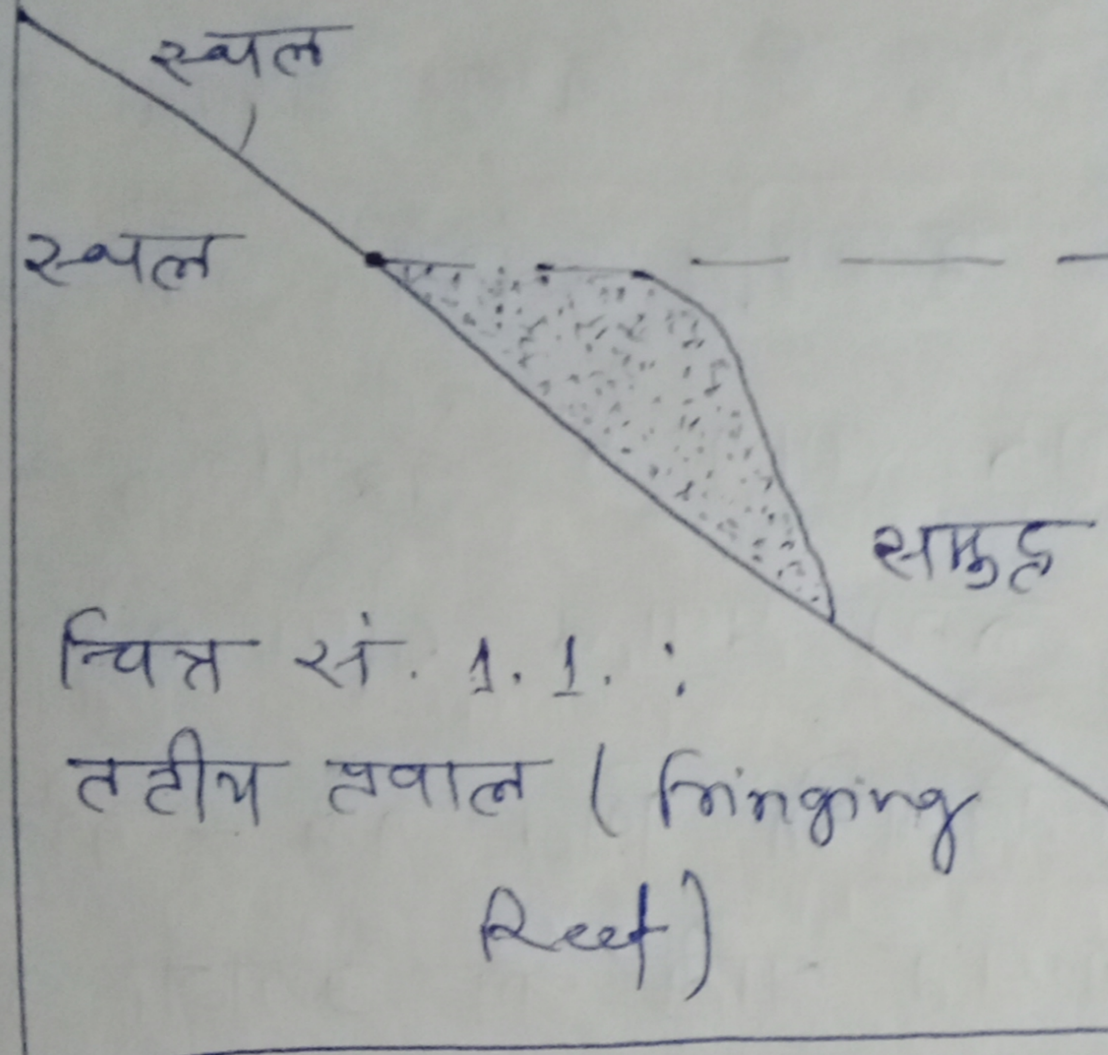

चित्र सं. 1.1. :
तटीय प्रवाल (fringing Reef)

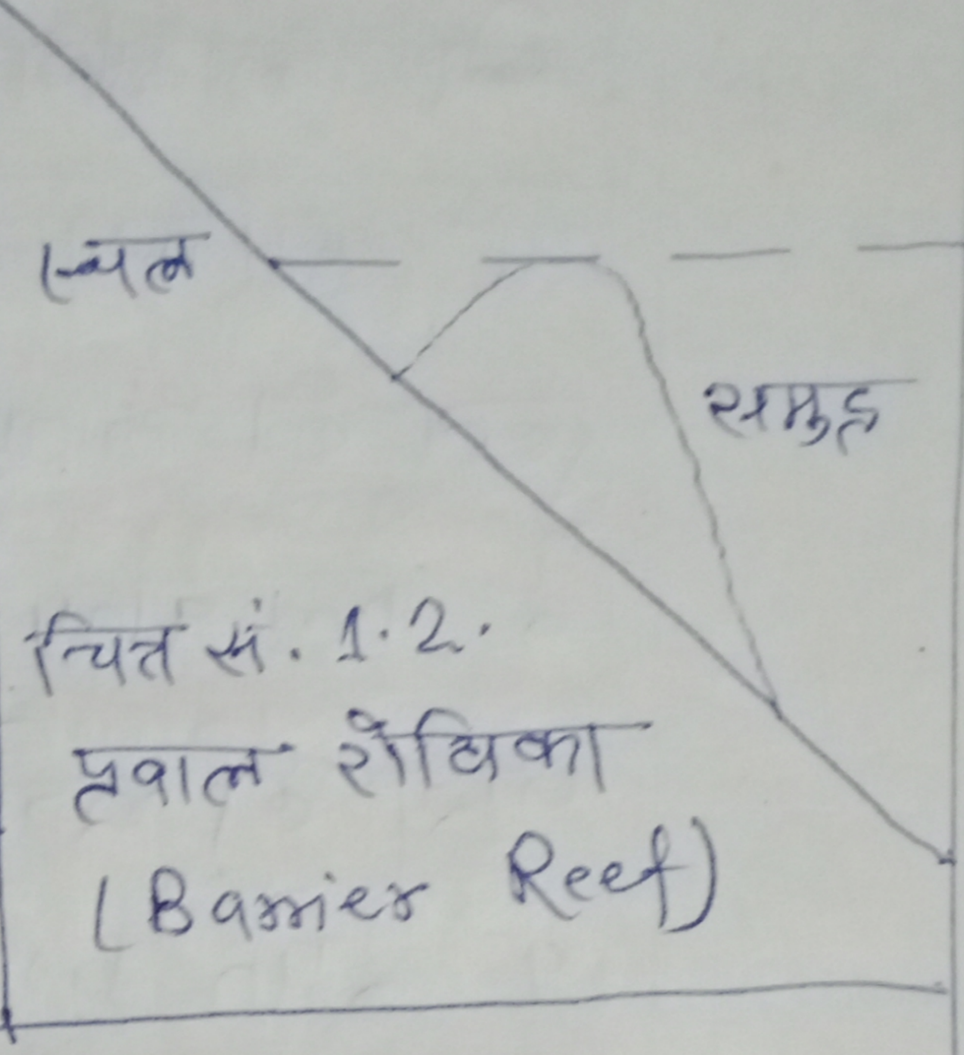

चित्र सं. 1.2.
प्रवाल रोधिका
(Barrier Reef)

प्रवाल वलय तथा प्रवाल द्वीपों पर्यटकों के लिए आकर्षण केन्द्र है। निम्न प्रवाल वलयों पर हानिकारक भूकम्पीय तरंगों का प्रकोप रहता है। आधुनिक समय में वैज्ञानिक अन्वेषण के फलस्वरूप अन्य प्रवाल द्वीपों की खोज जारी है। भूगोलवेत्ताओं नित नये - नये खोज व इससे सम्बन्धित बातें को उजागर कर रहे हैं। अत: प्रवाल भित्तियों का भौगोलिक महत्व, महत्वपूर्ण है।

— प्रवाल भित्तियों की उत्पत्ति के सिद्धान्त (Theory of origin for Coral Reefs and Atoll) :—

प्रवाल भित्तियों की उत्पत्ति सामान्यत: उष्ण कटिबन्धीय उथले सागरों में प्रवाल पॉलिप द्वारा अन्य जीवों के सहयोग से होती है। प्रवाल भित्ति का विकास क्रमश: सागरों की ओर अधिक होता है तब प्रवाल रोधिका एंव प्रवाल वलयों की उत्पत्ति होती है। इनकी उत्पत्ति एंव विकास एक

जटिल समस्या बनी रही है और परस्पर विरोधी सिद्धान्तों को प्रस्तुत किया जाता रहा है।

प्रवाल वलय की उत्पत्ति को स्पष्ट करने के लिए दो सिद्धान्तों का आधार माना गया है—

(i) प्लीस्टोसीन हिम युग में सागर तल नीचे होना, इसका परिवर्तित होना,

(ii) स्थल खण्ड की स्थिरता।

तद्नुसार प्रवाल सम्बन्धी साध्यों को दो वर्गों में रखा जा सकता है—

(i) अवतलन सिद्धान्त

(ii) स्थिर स्थल सिद्धान्त

~~विधि~~

Next Class:

विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रस्तुत सिद्धान्त

Md. Jamshed Alam